(5) (ख) 'जाँच अभी ज़ारी है' शीर्षक कहानी के आधार पर अर्पणा का चरित्र-चित्रण हम निम्न बिन्दुओं के आधार पर कर सकते हैं –

• उच्च अभिलाषा – अपर्णा के हृदय में महत्वाकांक्षाएँ तथा उच्च अभिलाषाएँ भरी हुई है। वह जीवन में कुछ करना और बनना चाहती है। कॉलेज के ~~[illegible]~~ लेक्चरर पद को छोड़कर उसने राष्ट्रीयकृत बैंक में नौकरी ले ली। उसकी धारणा थी कि कॉलेज की नौकरी में कोई नवीनता नहीं है ~~[illegible]~~ बल्कि बैंक की नौकरी में नवीनता और आकर्षण है।

(5) (ख) 'जाँच अभी ज़ारी है' शीर्षक कहानी के आधार पर अर्पणा ~~के~~ का चरित्र-चित्रण हम निम्न बिन्दुओं के आधार पर कर सकते हैं —

- <u>उच्च अभिलाषा</u> - अपर्णा के हृदय में महत्वाकांक्षाएँ तथा उच्च अभिलाषाएँ भरी हुई हैं। वह जीवन में कुछ करना और बनना चाहती है। कॉलेज के ~~[illegible]~~ लेक्चरर पद को छोड़कर उसने राष्ट्रीयकृत बैंक में नौकरी ले ली। उसकी धारणा थी कि कॉलेज की नौकरी में कोई नवीनता नहीं है ~~[illegible]~~ बल्कि बैंक की नौकरी ~~में~~ में नवीनता और आकर्षण है।

• कर्त्तव्यपरायणता - अपर्णा कर्त्तव्यपरायण है। उसे अपने कार्य के प्रति बहुत लगाव है, इसलिए जिम्मेदारी के साथ सारा कर्त्तव्य निभाती है। वह अपना कार्य सही समय पर कर लेती है। वह कर्त्तव्यपरायणता वह अपने पिता - माता के साथ भी निभाती है।

• आदर्श चरित्र: अपर्णा चरित्र को बहुत अधिक महत्त्व देती है। वह अपने चरित्र को निष्कलंक और पवित्र बनाकर रखना चाहती है।

• स्वाभिमानी - उसमें स्वाभिमान की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। मुसीबत के समय भी वह किसी के सामने गिड़गिड़ाती नहीं है, सच्चाई के मार्ग पर रहकर वह अपनी लड़ाई लड़ती है।

• साहसी - वह एक ऐसी नारी है जो अपने चरित्र को निर्मल रखना चाहती है।

इस प्रकार अपर्णा का चरित्र साधारण होते हुए भी आदर्श गुणों से परिपूर्ण है।

(ग). शिवप्रसाद सिंह द्वारा रचित कहानी 'कर्मनाशा की हार' एक ऐसी कहानी है जिसमें पौराणिक मान्यताओं को ही प्रधानता दी गई है। जैसे -

• अंधविश्वास अंधविश्वास की भावना -

गाँव के लोग किसी भी बात को आँख मूँद कर अपना लेते हैं सिर्फ इसलिए कि वह पूर्वजों द्वारा कथित है

• कर्त्तव्यपरायणता - अपर्णा कर्त्तव्यपरायण है। उसे अपने कार्य के प्रति बहुत लगाव है, इसलिए जिम्मेदारी के साथ साथ कर्त्तव्य निभाती है। वह अपना कार्य सही समय पर कर लेती है। वह कर्त्तव्यपरायणता वह अपने पिता - माता के साथ भी निभाती है।

• आदर्श चरित्र: अपर्णा चरित्र को बहुत अधिक महत्त्व देती है। वह अपने चरित्र को निष्कलंक और पवित्र बनाकर रखना चाहती है।

• स्वाभिमानी - उसमें स्वाभिमान की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। मुसीबत के समय भी वह किसी के सामने गिड़गिड़ाती नहीं है, सच्चाई के मार्ग पर रहकर वह अपनी लड़ाई लड़ती है।

• सादसी - वह एक ऐसी नारी है जो अपने चरित्र को निर्मल रखना चाहती है।

इस प्रकार अपर्णा का चरित्र साधारण होते हुए भी आदर्श गुणों से परिपूर्ण है।

(ग). शिवप्रसाद सिंह द्वारा रचित कहानी 'कर्मनाशा की हार' एक ऐसी कहानी है जिसमें पौराणिक मान्यताओं को ही प्रधानता दी गई है। जैसे -

• अंधविश्वास अंधविश्वास की भावना -

गाँव के लोग किसी भी बात को आँख मूँद कर अपना लेते हैं सिर्फ इसलिए कि वह पूर्वजों द्वारा कथित है

• कर्त्तव्यपरायणता - अपर्णा कर्त्तव्यपरायण है। उसे अपने कार्य के प्रति बहुत लगाव है, इसलिए जिम्मेदारी के साथ साथ कर्त्तव्य निभाती है। वह अपना कार्य सही समय पर कर लेती है। वह कर्त्तव्यपरायणता वह अपने पिता - माता के साथ भी निभाती है।

• आदर्श चरित्र : अपर्णा चरित्र को बहुत अधिक महत्त देती है। वह अपने चरित्र को निष्कलंक और पवित्र बनाकर रखना चाहती है।

• स्वाभिमानी - उसमें स्वाभिमान की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। मुसीबत के समय भी वह किसी के सामने गिड़गिड़ाती नहीं है, सच्चाई के मार्ग पर रहकर वह अपनी लड़ाई लड़ती है।

• साहसी - वह एक ऐसी नारी है जो अपने चरित्र को निर्मल रखना चाहती है।

इस प्रकार अपर्णा का चरित्र साधारण होते हुए भी आदर्श गुणों से परिपूर्ण है।